

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, दिल्ली
माध्यमिक स्कूल परीक्षा (कक्षा दसवीं)
परीक्षार्थी प्रवेश-पत्र के अनुसार भरे

विषय Subject : हिन्दी

विषय कोड Subject Code : 002

परीक्षा का दिन एवं तिथि
Day & Date of the Examination : 08.03.2016 / मंगल

उत्तर देने का माध्यम
Medium of answering the paper : हिन्दी

प्रश्न पत्र के ऊपर लिखें
कोड को दर्शाए :
Write code No. as written on
the top of the question paper :

Code Number	Set Number
<u>3</u>	① ● ③ ④

अतिरिक्त उत्तर-पुस्तिका (ओं) की संख्या
No. of supplementary answer-book(s) used

विकलांग व्यक्ति : हाँ / नहीं
Person with Disabilities : Yes / No No

किसी शारीरिक अक्षमता से प्रभावित हो तो संबंधित वर्ग में ✓ का निशान लगाए।
If physically challenged, tick the category

B	D	H	S	C	A
---	---	---	---	---	---

B = दृष्टिहीन, D = नुक व श्रवण, H = शारीरिक रूप से विकलांग, S = स्पास्टिक
C = डिस्लेक्सिक, A = ऑटिस्टिक
B = Visually Impaired, D = Hearing Impaired, H = Physically Challenged
S = Spastic, C = Dyslexic, A = Autistic

क्या लेखन - लिपिक उपलब्ध करवाया गया : हाँ / नहीं
Whether writer provided : Yes / No

यदि दृष्टिहीन हैं तो उपयोग में लाए गये
सॉफ्टवेयर का नाम :
If Visually challenged, name of software used :

*एक खाने में एक अक्षर लिखें। नाम के प्रत्येक भाग के बीच एक खाना रिक्त छोड़ दें। यदि परीक्षार्थी का नाम 24 अक्षरों से अधिक है, तो केवल नाम के प्रथम 24 अक्षर ही लिखें।
Each letter be written in one box and one box be left blank between each part of the name. In case Candidate's Name exceeds 24 letters, write first 24 letters.

कार्यालय उपयोग के लिए
Space for office use

8115615
002/00274

उ३. 'क'

- 1) क) उ० → १) वंशानुगत स्वभाव की अपने विवेक और बुद्धि से बदल सकते हैं।
 ख) → ii) बुद्धि में सूक्ष्म परिवर्तन लाकर।
 ग) → १) चैतन मस्तिष्क
 घ) → २) अवचैतन मस्तिष्क जन्म से पहले ही काम करना शुरू कर देता है।
 ङ) → ३) चैतन मस्तिष्क की।

- 2) क) → १) नेपाल में आया कुंकप थाद हो आया।
 ख) → २) खरहरा स्वभ कुंकप में तहस-तहस हो गया।
 ग) → ii) उनका काम खोखा ठप्प हो गया होगा।
 ङ) → १) पुरुष, रीजगार के लिए बाहर जाकर काम करते हैं।
 २) कठमांडू की यात्रा।

3) उत्तर:-

- क) → iii) गरीब और अमीर बच्चों का जीवन
 ख) → २) विषमता और अदृष्टता।
 ग) → ii) अँधेरे में डुबकती।

क) → iii) वे शोषण के गुब्बारे को फोड़ सकते हैं।
ख) → i) वे अपने शोषण के बारे में बताते हुए उड़ते हैं।

4) उत्तर:-

क) → i) खीरंज रखने का अनुरोध ✓

ख) → ii) शक्तिशाली शासक ✓

ग) → iii) मिट्टी फिर कोई आग उगलने वाली है। ✓

घ) → iv) गरीबों तक सुविधाएँ नहीं पहुँचती। ✓

ङ) → v) चारों ओर भ्रष्टाचारियों की। ✓

खंड - 'ख'

5) क) उत्तर:- मित्र वाच्य। ✓

ख) उत्तर:- गौंछी जी ने जो नमक

ग) उत्तर:- यद्यपि वह गौंछी जी ने नमक कर को साफ-साफ देखा था, तथापि वो अन्याय था।

घ) उत्तर:- भारत के सामने मुख्य समस्या बढ़ती जनसंख्या है।

5
क) उत्तर:- तुलसीदास ने 'रामचरितमानस' की रचना की

ख) उत्तर:- इतनी गर्मी में कैसे बैठेंगे।

ग) उत्तर:- हमारे द्वारा इतना भार नहीं सहा जा सकता है।

घ) उत्तर:- अब राष्ट्रपति द्वारा नहीं आया जाएगा।

च) उत्तर:- महिलाधिकारी की → १ संज्ञा

4

ii) आतिवाचक संज्ञा

iii) एकवचन

iv) पुल्लिङ्ग

प्रमुख

→

i) विशेषण

ii) गुणवाचक विशेषण

iii) विशेष्य :- लीनों

iv) पुल्लिङ्ग

बुलाया गया → i) क्रिया
 ii) सकर्मक क्रिया
 iii) कर्म वाच्य

मे. → ① सर्वनाम
 ② पुरुष वाचक
 ③ प्रथम पुरुष
 ④ पुल्लिङ्ग
 ⑤ एकवचन

क) कर्तृ: → वात्सल्य रस

ख) कर्तृ: → बरस लालच लाल की, मुरली खरी नुकाये,
 सौंह करे, झौंहन हँसे, देन कहें नटीजाए।

ग) कर्तृ: - शोक

घ) कर्तृ: - विभत्स रस

खंड - 'ग'

9) क) उत्तर:- उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ भारत के सर्वश्रेष्ठ शाहनाई वादक थे। जिन्हें संगीत के लिए भारत रत्न से नवाजा गया है।

बिस्मिल्ला खाँ साहब ने बालाजी के मंदिर की इयोदी पर बैठकर अपने मामा अलीबक्श व नाना से शाहनाई सीखा करते थे। खाँ साहब के पुश्तैनीयों ने भी वहीं बैठकर शाहनाई बजाते या सीखते थे।

ख) उत्तर:-> रसूलनवाँ और बतूलनवाँ के यहाँ से होकर बालाजी के मंदिर जाना बिस्मिल्ला खाँ को अच्छा लगता था क्योंकि:-

i) खाँ साहब को संगीत की आरंभिक शिक्षा इन्हीं सबों के गानों, तालों से मिली थी।

ii) इस रास्ते में जाने कितने तरह के बोल-बनाव कभी दुमरी, कभी टप्पे, कभी दादरा सुनाई देता था, जो उन्हें संगीत की शिक्षा देता था।

iii):- उन्हें अपने जीवन के आरंभिक दिनों में संगीत के प्रति आशान्वित

इन्हीं गायिका बहिनों को सुनकर मिली है।

ग) उत्तर: 'रियाज़' का अर्थ है- अभ्यास, जो हमें प्रतिदिन मेहनत करके प्राप्त होती है वह अभ्यास का ही परिणाम है।

10) क) उत्तर: मनु झंडारी के पिता की निम्नलिखित विशेषताएं अनुकरणीय हैं:-

i) गरीब बच्चों को घर में बैठा कर पढ़ाना।

ii) बच्चों को डिस्टेंशन देना।

iii) आत्म निर्भर बनना।

iv) स्वतंत्रता के समय देश की राजनीतिक बहस से हिस्सा लेना।

v) अपनी बेटी को उच्च शिक्षा के लिए कॉलेज भेजना।

vi) देश की हालातों के बारे में अपनी बेटी से चर्चा करना।

ख) उत्तर: वर्तमान परिपेक्ष्य में यह बात शत प्रतिशत सही है कि परंपराएं विकास के मार्ग में अवरोधक हों तो उन्हें तोड़ना ही चाहिए। अगर हम स्त्री शिक्षा का उदाहरण लेते हैं तो परंपराओं के अनुसार उन्हें पाप समझा जाता था। लोग स्त्री को शिक्षा नहीं देते थे परंतु वर्तमान में हम स्त्रीयों को देखें तो ये

पुरुषों से हाथ मिलाकर चल रही है। 'कल्पना चावला', 'प्रतिष्ठा देवी सिंह पाटिल', आदि हमारी देश की स्त्रियाँ विश्व स्तर पर प्रचलन लहरा रही इसलिए की हमने परंपराओं की तोड़ दिया। अतएव परंपराएँ विकास के मार्ग में अवरोधक हों तो उन्हें तोड़ना ही उचित है।

ग/उत्तर :- 'प्राकृत केवल अपहों की नहीं अपितु सुशिक्षितों की भी भाषा थी। महावीर प्रसाद द्विवेदी ने यह कहा क्योंकि :-

- i) भारत की आबादी से अधिक, जिन्हें संस्कृत कहिन होने के कारण नहीं आती थी, जिनका प्राकृत भाषा का ही प्रयोग करते थे।
- ii) बौद्ध धर्म की ग्रंथ 'त्रिपिटक' जो महाभारत से भी बड़ा है, प्राकृत भाषा में लिखा गया है।
- iii) अगर प्राकृत बोलने वाले अनपढ़ थे, तो आज जितने भी स्थायी भाषा :- बंगाली, भोजपुरी, अवधी, मैथिली आदि भाषा में पैपर प्रकाशित करते हैं, वे भी अविक्षित हैं।

क) उत्तरः

'संस्कृति' पाठ में लेखक ने सभ्यता की कुछ इस तरह परिभाषा किया है, 'सभ्यता' संस्कृत मानव के द्वारा जो भी ज्ञान कौशल, खोज, तकनीक आदि, हमें पुश्तैनी था फिर हम उसका प्रयोग अपने लिए करते हैं, उसे सभ्यता कहते हैं। जैसे न्यूटन जिसने गुरुत्वाकर्षण बल को प्रतिपादित किया, इसलिए ही संस्कृत मानव हुआ, और हम उसका प्रयोग अपने अनुसार करते हैं, इसलिए इसे सभ्यता कहा गया।

इ) उत्तरः

'रात के तारों' को देखकर न सोच सकने वाले मनीषी को प्रथम पुरस्कार कहा गया है क्योंकि इनके पास सोने के लिए रीढ़, पहनने के लिए कपड़ा, रहने के लिए घर होने के बावजूद ये हमेशा रात के तारों में ये कुछ नया खोजना चाहते हैं। इनमें हमेशा कुछ नये खोजने की लालसा होती है। ये संस्कृत मानव होते हैं। इन्हें तारों से भरा बाल हमेशा स कुछ नये खोजने की आकांक्षा को जागृत करते रहता है।

11) उत्तर :-

क) :-

'सुगतृष्णा' → जब रेगिस्तान में सुग थानी हिरण को प्यास लगाती है तो वह इधर-उधर प्यास के कारण, पानी की खोज में झटकता रहता है। जब कहीं दूर उसे पानी प्राप्त होता है, और तो वहाँ जाकर देखता है तो चारों ओर रेत होती है। और इसी क्रम में झटकते हुए, उसकी मौत हो जाती है।

यहाँ सुगतृष्णा का अर्थ क्रम के रूप में लिया गया है, हमें जो बड़े बड़े का क्रम है, उसे ही यहाँ सुगतृष्णा कहा गया है।

ख) उत्तर :- हर चंद्रिका में बिपी एक रात कृष्णा है : इसका तात्पर्य है कि हर पूर्णिमा वाले रात से पहले ज्यादा अमावस्या की रातों की ज्यादा लगी होती है, उसी प्रकार हर सुख के बाद या पहले दुःख जरूर होता है, लेकिन उस दुःख के बाद हमें सुख की प्राप्ति अवश्य होती है।

ग) उत्तर :- 'बाधा' से कार्य का तात्पर्य है 'पुराने अच्छे दिनों की बीती हुयी स्मृति'। अगर मनुष्य को वर्तमान में कष्ट होता है तो वो इसे पुराने दिनों की स्मृतियों से तुलना करता है, जिसके कारण उसे अत्यधिक दुःख होती है।

12) उत्तर :- (क) परशुराम की स्वभावतः विद्वेषता कुछ इस प्रकार है :-

- i) वे अपने ईष्ट देव शंकर जी के लिए प्राण तक देने को तैयार रहते हैं।
- ii) वे माता-पिता के अनन्य भक्त थे, जिसके कारण उन्होंने 18 बार क्षत्रियों का नाश किया।
- iii) महादानी :- 18 बार क्षत्रियों को नाश कर राज्य-पाठ ब्राह्मणों को दान दिए।
- iv) गुरु भक्ति।
- v) तार्किक स्वभाव
- vi) अत्यधिक शक्तिशाली।

(ख) → 'साहस और शक्ति के साथ विनम्रता ही तो बेहतर है'। इसका आह्वान हम 'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' में देख सकते हैं। लक्ष्मण व परशुराम अत्यधिक बलशाली होने के बाद भी एक दूसरे को तर्कों के माध्यम से अपमानित कर रहे थे। लक्ष्मण आगे थे, तो परशुराम पीछे। लेकिन श्री राम पानी थे। इनके पास सब कुछ होते हुए भी खुद को परशुराम का दास बताया। इन्होंने अपनी शीतल वाणी से सखी का दिल जीत लिया। इनकी वाणी सखी के हृदयों को छु गयी। क्योंकि ये विनम्र थे।

ग) उत्तर: 'कन्यादान' कविता में वस्त्र और आभूषणों को शालिक भ्रम कहा गया है क्योंकि:

1) आज स्त्रियों को वस्त्र और आभूषण देकर उन्हें प्रसन्न कर दिया जाता है, लेकिन बाद में उन्हें पर शोषण होता है। लोग उन पर तरह-तरह के अत्याचार करते हैं। वस्त्र और आभूषण से तो सिर्फ उन्हें अमित किया जाता है, स्त्रियाँ तो कोमलता, सात्विकता आदि की मूर्ति होती हैं और फिर उनका शोषण किया जाता है।

ब) उ०: 'कन्यादान' कविता में माँ ने बेटी को ऐसा कहा कि लड़की होना पर लड़की जैसा दिखाई मत देना क्योंकि स्त्रियाँ प्रेम, सौंदर्य, कोमलता, सच्चेता, सात्विकता, प्रविष्टा, की मूर्ति होती हैं। उनका कार्य सदैव बड़े को सम्मान, छोटे को प्यार व दूसरों की पेट की ज्वाला शांत करना रहता है, इसलिये माँ ने उसे लड़की बनने को कहा।

परंतु आज का समाज उनकी इस गुण के कारण उनका शोषण व उन पर अत्याचार करता है, इसलिये उसे लड़की जैसा दिखाई मत देना कहा तथा अत्याचारों को सहन करना नहीं बल्कि उसे

उचित ढंग या बहला दे लेने को कहा है।

उ० उ० सगातकर की आवाज में हिचक रही उसकी मनुष्यता, मानवता को दर्शाता है क्योंकि उसके पास भी मुख्य गायन इतना गुण होता है, लेकिन वो इसे दबा कर मुख्य गायक की प्रतिष्ठा को बिखेरने में मदद करता है। यह उसकी मनुष्यता है। यह उसकी हिचक नहीं, यह तो उसका बड़प्पन है जो खुद को रोककर, दूसरे को आगे बढ़ने देता है।

उ० उत्तर आवाज पूरे विश्व में प्रदूषण सबसे बड़ा आगे बढ़ता हुआ खतरा है। जिसके कारण आवाज हिमपात तक में कमी आ गयी है। प्रदूषण का अर्थ होता है हमारे पर्यावरण में ऐसी वैसे छटक का मिलना, जो हम नहीं चाहते हैं तथा वो मिलकर पर्यावरण को दुषित ही करते हैं। इसके अनेक दुष्परिणाम हैं:-

- i) अम्लीय वर्षा
- ii) वर्षा का कम होना
- iii) ओजोन परत का क्षय
- iv) कृषि पैदावार कम होना

- iv) शारीरिक अपंगता
- v) जीव-जंतु का मरना
- vi) प्राकृतिक आपदा
- vii) गंभीर बिमारीयाँ आदि।

इसके रोकथाम के लिए हम निम्नलिखित कार्य कर सकते हैं:-

- i) कम दूरी के लिए पैदल या साइकल का प्रयोग कर
- ii) प्लास्टिक का कम प्रयोग कर
- iii) जैविक खाद कर
- iv) वृक्षारोपण कर
- v) लोगों को पर्यावरण के लिए जागरूक कर
- vi) नालियों, गंदे पानीयों का सही तरीके से फिल्टर कर।
- vii) पुनः चर्कण अपना कर।
- viii) जीव कचड़े की अच्छी तरह निपटारा करा
- ix) अजैव कचड़े को सुव्यवस्थित ढंग से निपटारा कर।
- x) सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा अपना कर।
- xi) बाहर जाते समय बिजुतियाँ उपकरण को बंद कर जाना चाहिए।
- xii) मोबाइल तथा इंटरनेट का कम प्रयोग कर।

निम्नता

गुण

को

पकी

र.

खतरा है।

प्रदूषण का

मिलना, जो

बेत ही करते

खंड - 'घ'

प्रश्न उत्तर: ख

काल्ह करै सो आब कर

काल्ह करै सो आब कर, आब करै सो अब।
पल में परलये होत हैं, फेर करैगा कब ॥

श्रुमिका :-> वर्तमान परिपेक्ष्य में हमें आज सारे कार्य अपने सही व अर्चित
वक्त पर कर लेना चाहिए। "काल्ह करै सो आब कर" का अर्थ
है जो तुम कल करना चाहते हो, उसे आज करो, जो आज
करना है, उसे अब क्योंकि पल में प्रलय हो जाएँगा, फिर
तुम कार्य को कब करोगे। हमें वक्त का मूल्य पहचानकर,
उसका सदुपयोग करना चाहिए।

संदर्भ :->

आज हमें समय का सदुपयोग करना चाहिए ताकि हम
अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकें। हमें समय को पहचानकर
उसके मूल्य को समझना चाहिए। वर्तमान या भूत या फिर
भविष्य वो क्षण ही सफल बन पाता है जिसे समय का
सदुपयोग करना सीख लिया है। हम जितने भी बड़े व्यक्तियों

को देखते हैं जैसे मुकेश अंबानी था फिर हमारे शिक्षक जिन्होंने
ने भी अपना लक्ष्य प्राप्त किया है, उन्होंने समय को पहचाना
व इसका उचित उपयोग किया है। अगर हमें भी अपने लक्ष्य
के प्रति सचेत रहना है तो समय का सदुपयोग करना सीखना
चाहिए। आज देश, समाज, जनता सभी की यही पुकार है।

अगर हम समय का सदुपयोग करना चाहते हैं तो हमें
वक्त पर सारा कार्य करना चाहिए, जीवन में अनुशासन लाकर
हम इसका सदुपयोग कर सकते हैं। अगर हम बाहर जीवन त्याग
कर रहे हैं तो एक निश्चित समय तालिका बनाकर करना चाहिए।
अगर जीवन में अनुशासन है तो हमारा कार्य तथा हम स्वयं
व्यवस्थित हो सकते हैं।

निष्कर्षः अतएव समय को हमें पहचानकर उचित अवसर का प्रयोग
कर हम अपने जीवन को सफल बना सकते हैं। खुद की
राष्ट्र तथा गुरु की सेवा में निहित कर सकते। अनुशासन से
हम स्वयं को व्यवस्थित कर लक्ष्य की ओर अग्रसर हो जाते
हैं। जीवन काल में समय की पहचानना ही सबसे बड़ा कार्य
होता है हम पहचान गये तो सफलता हमारी कदम चुमती
है। समय व अनुशासन दोनों मिलकर हमारे जीवन को संवार
देती हैं।

उचित
का अर्थ
जो आज
फिर
गानकर
कि हम
चानकर
था फिर
य का
ये व्यवस्था

15) उत्तर:

पतरातू रोड, राँची

811 क, भकान :- 81

822116.

दिनांक :- 8 मार्च 2015.

पुज्य पिताजी,

सादर प्रणाम।

मैं नवीन विद्यालय में अच्छे ढंग से पढ़ रहा हूँ तथा आशा करता हूँ कि आप वहाँ खुशी पूर्वक तथा स्वस्थ होंगे। माताजी भी ठीक होंगी। कुछ सप्ताह पहले ही आपका पत्र प्राप्त हुआ था। परंतु आज मुझसे एक झूल हो गयी है, जिसके लिए मैं आपसे क्षमा माँग रहा हूँ।

पिताजी कुछ दिनों पहले मुझे अपने हाँटे भाई से झड़प हो गयी थी।

शायद बाद में मुझे लगा कि गलती मेरी ही थी, परंतु जब मैं उससे माँफी माँगने गया तो वो मुझसे बात नहीं कर रहा है। मुझे माफ कर दीजिये पिता जी, सविन्य में, मैं कोई ऐसी शूल नहीं करूँगा, जिसके कारण हम दोनों आईयों के ऐसे भारे रिश्तों में कोई गलत-फहमी आ जाए। अतः मुझे माफ कर, उसे मुझसे बात करने के लिए प्रेरित कीजिए तथा हमारे फाइनल परीक्षा का परिणाम आ गया है, हमें हटाने आई अम्बेडे नंबर से पास है। अक्षर में लिखना बंद कर रहा हूँ।

~~बड़ों की प्रणाम, छोटे की शुभ उम्मीद।~~

आपका प्यारा
आनिमेश उमर्य।

आशा
जो माताजी
गलत हुआ
लिख में

उड़प हो गयी थी

16) उत्तर:-

पुलिस व्यवस्था

प्रत्येक देश में नागरिकों की सुरक्षा तथा कानून का पालन करवाने वाला पुलिस, सरकारी संस्था है। पुलिस को प्रशिक्षण के समय सुहृद व कर्तव्यों की बोध कराया जाता है। प्रशिक्षण के बाद पुलिस ^{शांति} समाज से जुड़कर सर्वप्र शांति व्यवस्था कायम करती है। पुलिस के कर्तव्य ही इन्हें साहसी, बहादुर व ईमानदार का परिक्षा लेती है। बहादुर पुलिस को पुरस्कृत भी किया जाता है।

02/03/26